नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में कवि सम्मेलन

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की उपस्थिति

वर्धा दि. 09 जनवरी 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का 20वें स्थापना

दिवस के उपलक्ष्य में रविवार, 7 जनवरी को गालिब सभागार में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल माननीय केशरी नाथ त्रिपाठी जी की प्रमुख उपस्थिति में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन का संचालन साहित्य विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डॉ. रामानुज अस्थाना ने किया तथा आभार कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान ने माना। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को सराबोर कर दिया। उन्होंने राजनीति, ज्ञान और मनुष्यता से जुड़ी रचनाओं को प्रस्तुत किया और व्यंग्य कविता से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। खचाखच भरे गालिब सभागार में तीन घंटे से भी अधिक समय तक चले कवि सम्मेलन में अध्यापकों एवं विद्यार्थियों

ने भी कविताएं प्रस्तुत की। इस कवि सम्मेलन में विश्वविद्यालय के प्रो. प्रीति सागर, प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, शिव शंकर सिंह, डॉ. हरप्रीत कौर, सराज अहमद, डॉ. अनवर सिद्दीकी, डॉ. अखिलेश

दुबे, श्रीनारायण सिंह, डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा शोधार्थी दिनेश पांडे, श्वेता, अनुप कुमार सिंह, श्याम प्रकाश, गौरव कुमार ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारी तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हिंदी विश्वविद्यालयात कवि संमेलन

पश्चिम बंगालचे राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी यांची उपस्थिती

वर्धा दि. 09 जानेवारी 2018 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या 20व्या स्थापना दिनानिमित्त रविवार, 7 रोजी गालिब सभागृहात पश्चिम बंगालचे माननीय राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी यांच्या प्रमुख उपस्थितीत कवि संमेलन आयोजित करण्यात आले. कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांच्या अध्यक्षतेखाली झालेल्या संमेलनाचे संचालन साहित्य विद्यापीठाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. रामानुज अस्थाना यांनी केले तर आभार कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान यांनी मानले. राज्यपाल महोदयांनी आपल्या कवितांनी प्रेक्षकांची मने जिंकली. त्यांनी राजकारण, ज्ञान, मनुष्यता आणि सामाजिक आशयाच्या कविता सादर केल्या. व्यंग्य कविता सादर करून त्यांनी उपस्थितांना लोटपोट केले. तीन तासापेक्षा अधिक वेळापर्यत चाललेल्या कवि सम्मेलनात अध्यापक व विद्यार्थ्यांनी आपल्या कविता प्रस्तुत केल्या. प्रो. प्रिती सागर, प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, शिवशंकर सिंह, डॉ. हरप्रीत कौर, सराज अहमद, डॉ. अनवर सिद्दीकी, डॉ. अखिलेश दुबे, श्रीनारायण सिंह, डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र आणि विद्यार्थी दिनेश पांडे, श्वेता, अनुप कुमार सिंह, श्याम प्रकाश, गौरव कुमार यांनी आपल्या कविता सादर केल्या. यावेळी विश्वविद्यालयाचे कर्मचारी आणि विद्यार्थी मोठया संख्येने उपस्थित होते.